एक नजर में

पेट्रोलियम की आपूर्ति के लिए बनाया कंट्रोल रूम

गुना। जिले में डीजल, पेट्रोल, एलपीजी और सीएनजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखना और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के वितरण में प्राथमिकता तय करना है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए दो दूरभाष नंबर 9993618287 एवं 8770223806 जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर उपभोक्ता अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही एक जिला स्तरीय समिति का भी गठन किया गया है।

डीपीएस के छात्रों को कराया गया पंजाब भ्रमण

गुना। दिल्ली पब्लिक स्कूल विजयपुर के विद्यार्थियों के लिए हाल ही में पंजाब के नंगल क्षेत्र का एक अत्यंत ज्ञानवर्धक और उत्साहपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। 27 मार्च से 31 मार्च तक संचालित इस यात्रा के माध्यम से छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक तकनीकी प्रगति को करीब से देखने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध नैना देवी मंदिर के दर्शन किए। इसके उपरांत दल ने विरासत-ए-खालसा और आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने सिख इतिहास और गौरवशाली परंपराओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने भाखड़ा नंगल बांध का दौरा कर इसकी कार्यप्रणाली और इसके पीछे की इंजीनियरिंग व तकनीक को समझा, जो उनके पाठ्यक्रम के व्यावहारिक ज्ञान के लिए उपयोगी रहा। नंगल वेटलैंड (गोल्फ कोर्स) की सुंदरता का आनंद लिया और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया।

गुना में सबसे बड़ा धार्मिक मेला 2 अप्रैल से

सजेगा टेकरी सरकार का दरबार, 1 अप्रैल की रात 12 :30 बजे खुलेंगे पट

300 सीढ़ियों की विशेष सफाई

आर्केड, रजनीगंधा, जरबेरा, मोगरा और गुना के गुलाबों से सजेगा मंदिर

नवभारत न्यूज

गुना 31 मार्च का। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल टेकरी धाम पर श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 2 अप्रैल को आयोजित होने वाले विशाल मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन द्वारा पिछले एक माह से की जा रही व्यवस्थाओं को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जन्मोत्सव पर पूरे मंदिर परिसर को क्विंटलों नायाब फूलों, जैसे आर्केड, रजनीगंधा, जरबेरा, मोगरा और स्थानीय गुलाबों से सजाया जा रहा है। आकर्षक विद्युत साज-सज्जा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। मंदिर के प्रवक्ता राजेश अग्रवाल तैयारियों और आयोजन को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की है। उनके मुताबिक 1 अप्रैल की रात 12 बजकर 30 मिनट पर पट खोल दिए जाएंगे। मंगला आरती तड़के 4 बजकर 15 मिनट पर होगी और और शयन आरती रात 12 बजकर 15 मिनट पर की जाएगी। तैयारियों के तहत पुराने सीढ़ी मार्ग की लगभग 300 सीढ़ियों की विशेष धुलाई और सफाई का काम पूर्ण कर लिया गया है। इस अभियान में कर्मचारी नेता आलोक नायक, चंदन सिंह परिहार, अंशु कुमार राय, नितिन राय, सनी परिहार, संजय तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों और सफाई मित्रों ने श्रमदान किया। सुरक्षा के लिहाज से चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा और ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। पहली बार 500 स्वयंसेवक पुलिस के साथ व्यवस्था संभालेंगे। ट्रस्ट और प्रशासन ने साझा बैठक के बाद श्रद्धालुओं से विशेष अपील की है। श्रद्धालुओं से कहा गया है कि महिलाएं चोरी की घटनाओं से बचने के लिए असली के बजाय नकली आभूषण पहनकर आएं। पर्यावरण की रक्षा हेतु पूरा मेला क्षेत्र प्लास्टिक मुक्त रहेगा। केवल बायोडिग्रेडेबल थैली और पेपर कप का उपयोग करने की अनुमति होगी। श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे परिसर में दीपक या अगरबत्ती न जलाएं। नारियल साबुत ही अर्पित करें। जाम से बचने के लिए दो पहिया वाहनों या पैदल आने को प्राथमिकता दें। वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें। प्रोटोकॉल दर्शन की व्यवस्था प्रात: 6 बजे से पहले और रात 10 बजे के बाद रहेगी। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष चिरोंजी लाल प्रजापति, सचिव ओमप्रकाश बरोनिया, कोषाध्यक्ष गुलशन जुनेजा, सहसचिव भगवान मोदी, ट्रस्टी लक्ष्मण प्रजापति, महावीर चौहान सहित सभी पदाधिकारी पूरी क्षमता के साथ जुटे हुए हैं।

समाजसेवी बोले, सुरक्षा मानकों का ध्यान रखे प्रशासन

हनुमान जयंती के पावन पर्व पर टेकरी सरकार धाम में आयोजित होने वाले विशाल मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सजगता बढ़ गई है। बीस भुजा देवी मंदिर मेले में हुई हालिया दुखद घटना से सबक लेते हुए सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद भार्गव ने कलेक्टर एवं एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मेले में झूलों, मिक्की माउस और अस्थाई विद्युत व्यवस्थाओं को लेकर कड़े सुरक्षा मानक तय किए जाएं। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद भार्गव ने अपने आवेदन में विशेष रूप से बजरंगगढ़ के बीस भुजा देवी मंदिर मेले के दौरान हुए उस दर्दनाक हादसे का उल्लेख किया, जिसमें मिक्की माउस झूले से गिरकर एक 10 वर्षीय बालक की असमय मृत्यु हो गई थी। उन्होंने प्रशासन का ध्यान इस ओर खींचा कि मेलों में सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी किस तरह किसी परिवार का चिराग बुझा सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए टेकरी मेले में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। ज्ञापन में सुझाव दिया गया है कि मेले के प्रारंभ होने से पूर्व ही सभी झूला संचालकों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए जाएं। सभी झूलों और मिक्की माउस की तकनीकी जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा है कि तेज हवा या खराब मौसम की स्थिति में झूलों का संचालन तुरंत बंद करने के आदेश जारी हों। वहीं मेले में हजारों दुकानों के लिए बिछने वाले खुले तारों और अस्थाई लाइट व्यवस्था में विशेष सावधानी बरतने की गुहार भी लगाई गई है। भार्गव ने कहा कि टेकरी मेले में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि वे झूलों का आनंद लेते समय स्वयं भी सावधानी बरतें और बच्चों का विशेष ध्यान रखें।

परवाह में 'भूमि सुपोषण एवं संरक्षण अभियान' में भूमि पूजन

नवभारत न्यूज

गुना। ग्राम परवाह स्थित शिक्षा विभाग मंदिर में 'भूमि सुपोषण एवं संरक्षण अभियान' के अंतर्गत गरिमामयी भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को मिट्टी के स्वास्थ्य, उसके संरक्षण और पोषण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों सहित बड़ी संख्या में महिलाओं और किसान भाइयों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भारतीय परंपरा में भूमि को 'माता' के स्थान पर पूजे जाने के महत्व को रेखांकित किया। चर्चा के दौरान बताया गया कि प्राचीन समय से ही किसान गोबर, गोमूत्र और फसल अवशेषों जैसे प्राकृतिक तरीकों से भूमि का पोषण करते आए हैं, जिससे कृषि समृद्ध और प्रकृति के अनुकूल बनी रही। बौद्धिक प्रांत अधिकारी यशवंत ने अपने संबोधन में भूमि संरक्षण के महत्व और प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता कम हुई है और भूमि कठोर होती जा रही है। इस स्थिति में सुधार के लिए भूमि सुपोषण को आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया गया। मातृशक्ति को संबोधित करते हुए जयश्री ने शहर में 'गृह वाटिका' (किचन गार्डन) लगाने के लाभ बताए। उन्होंने समझाया कि कैसे महिलाएं घर पर ही जैविक खाद्य सामग्री उगाकर अपने परिवार को स्वस्थ रख सकती हैं। इसी क्रम में जिला संयोजक महेश शर्मा एवं विक्रम नागर ने भी किसानों को जैविक खेती अपनाने तथा पर्यावरण व प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया।

अस्तित्व बचाना है तो हिंदुओं को बनानी होगी करकर और तालिबान जैसी सेना

नवभारत न्यूज

गुना। डासना देवी मंदिर के महंत और प्रखर हिंदुत्ववादी नेता महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती ने अपने गुना प्रवास के दौरान एक बार फिर अत्यंत विवादित बयान देकर सियासी और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। पंचमुखी हनुमान मंदिर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए कट्टरपंथी संगठनों की कार्यप्रणाली अपनाने की वकालत की और वर्तमान हिंदू संगठनों पर तीखा कटाक्ष किया।

यति नरसिंहानंद ने जोर देकर कहा कि यदि हिंदुओं को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें तालिबान और आईएसआईएस के पैटर्न पर अपनी सेना तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो समर्पण और कट्टरता ये संगठन दिखाते हैं, वैसी ही सेना बनाने वालों का वह पूर्ण समर्थन करते हैं। उनके अनुसार, अब केवल बड़े बलिदानों से ही धर्म की रक्षा संभव है और इसके लिए हिंदुओं को अपनी कार्यप्रणाली बदलनी होगी।

संघ और बजरंग दल फोटो खिंचवाने वाले संगठन

महंत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बजरंग दल जैसे स्थापित संगठनों पर सीधा हमला बोलते हुए उन्हें 'समलैंगिकों का संगठन' करार दिया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों के भरोसे सनातन धर्म का बचना असंभव है। उन्होंने हिंदू रक्षा सेना और अन्य संगठनों को केवल सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करने और ड्रामा करने वाला बताया। नरसिंहानंद का आरोप था कि ये संगठन केवल नेताओं की चमचागिरी कर अपने लिए चुनाव का रास्ता ढूंढते हैं।

जनसंख्या असंतुलन और विश्वगुरु के दावे पर सवाल

देश के भविष्य पर चिंता जताते हुए उन्होंने दावा किया कि जिस गति से जनसंख्या असंतुलन बढ़ रहा है, उससे सनातन भारत समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भारत भविष्य में विश्वगुरु बना भी, तो वह 'मुस्लिम भारत' होगा। उन्होंने उन धर्मगुरुओं को भी आड़े हाथों लिया जो भारत के विश्वगुरु बनने का दावा कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि ऐसे गुरु अपने अनुयायियों को मूर्ख बना रहे हैं और समय आने पर देश छोड़कर भाग जाएंगे।

यूजीसी और देश के कानूनों पर सवाल उठाते हुए महंत ने कहा कि भारत के कानून हिंदुओं को आपस में लड़वाकर खत्म करने के लिए बनाए जाते हैं। उन्होंने जनता से ऐसी सरकारों का विरोध करने की अपील की जो सनातन के विरुद्ध 'काले कानून' लाती हैं। केरल फाइल्स और हालिया अपराधों का जिक्र करते हुए उन्होंने हिंदू युवतियों को मुस्लिम युवतियों से दोस्ती न करने की सलाह दी, उन्हें 'जिहादी' करार दिया।

बीस भुजा देवी मंदिर का 'खुशियों वाला झूला' बना काल

गुना। जिले के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल और आस्था के केंद्र बजरंगगढ़ स्थित बीस भुजा देवी मंदिर में लगा मेला एक परिवार के लिए ताउम्र का मातम बन गया है। मेले में लगे मिकी माउस झूले से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 10 वर्षीय मासूम आशुतोष शर्मा ने जिंदगी और मौत के बीच 8 दिनों तक चली जंग के बाद 30 मार्च को दम तोड़ दिया। इस खबर के बाद गुना ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिला अशोकनगर में भी शोक की लहर दौड़ गई है और हर आंख नम है।

दरअसल, घटना 22 मार्च की सुबह लगभग 10 बजे की है, जब चैत्र नवरात्रि और मेले के उल्लास के बीच पड़ोसी जिला अशोकनगर के शाढ़ौरा निवासी 10 वर्षीय बालक आशुतोष मिकी माउस झूले पर खेल रहा था। अचानक तेज हवा चली और संतुलन बिगड़ने से आशुतोष झूले से नीचे गिर गया। गंभीर चोट आने के बाद आनन-फानन में उसे गुना जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल भोपाल रेफर कर दिया। भोपाल में विशेषज्ञों की निगरानी में चले लंबे उपचार और तमाम कोशिशों के बावजूद, विधाता को कुछ और ही मंजूर था। भोपाल के एक अस्पताल में सोमवार, 30 मार्च को आशुतोष ने अंतिम सांस ली। बता दें कि यह हादसा केवल एक मासूम की मौत नहीं, बल्कि एक मां के पूरे संसार के उजड़ने की दास्तां है। जानकारी के अनुसार, आशुतोष अपनी मां का इकलौता सहारा था। नियति की क्रूरता देखिए कि आशुतोष की मां पहले ही अपने पति और बेटी को खो चुकी थीं। दो बड़े आघात सहने के बाद आशुतोष ही उनके जीने की एकमात्र उम्मीद था, लेकिन इस हादसे ने उनकी गोद पूरी तरह सूनी कर दी है। इस दर्दनाक घटना ने मेलों में लगने वाले झूलों और बच्चों के मनोरंजन संसाधनों की सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि क्या मिकी माउस जैसे झूलों पर सुरक्षा के पर्याप्त मापदंड अपनाए गए थे या नहीं। मासूम आशुतोष की मौत ने प्रशासन को भी झकझोर कर रख दिया है। मासूम की आत्मा की शांति और पीड़ित मां को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना कर रहे हैं।

एसपी हितिका ने किया बमोरी थाने का औचक निरीक्षण

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने 30 मार्च 2026 की रात्रि में थाना बमोरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखाना, हवालात, शस्त्रागार और सीसीटीवी सहित महत्वपूर्ण अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया।

पुलिस अधीक्षक ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। विशेषकर महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई और रात्रिकालीन गश्त को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। अनुशासन और जनसामान्य के प्रति मानवीय व्यवहार को पुलिस की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही से ही जनता का विश्वास जीता जा सकता है। निरीक्षण के दौरान कमियों को सुधारने के निर्देश के साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना भी की गई।

तस्करी रोकने विभाग अलर्ट

गुना। मादक पदार्थों की रोकथाम और विभागीय समन्वय को मजबूत करने के लिए जिला स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक हितिका वासल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, तस्करी और उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।

घायलों को डायल-112 ने पहुंचाया अस्पताल

गुना। आरोन क्षेत्र में मंगलवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस सहायता से समय पर अस्पताल पहुँचाया गया। घटना की सूचना 31 मार्च 2026 को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही तत्काल आरोन क्षेत्र में तैनात एफआरवी वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर पहुँचे डायल-112 स्टाफ के आरक्षक शिवेंद्र रघुवंशी एवं पायलट हेमराज भील ने देखा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक गंभीर चोटों के कारण तड़प रहा था। जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घायल को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला और बिना समय गंवाए एफआरवी वाहन से सिविल अस्पताल आरोन में भर्ती कराया।

युवा विधायकों के सम्मेलन में बोले जयवर्धन संविधान मूल्यों को सर्वोपरि रखना होगा

गुना। मध्यप्रदेश विधानसभा में 30 और 31 मार्च को दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस गरिमामयी आयोजन में राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस महत्वपूर्ण आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अनेक युवा विधायकों ने शिरकत की। अपने संबोधन में जयवर्धन सिंह ने कहा कि एक विधायक लाखों नागरिकों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधायक की जिम्मेदारी केवल सदन की कार्यवाही तक सीमित नहीं होती, बल्कि पूरे वर्ष उसके आचरण और कार्यशैली पर जनता की पैनी नजर रहती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह अनिवार्य है कि सभी जनप्रतिनिधि संविधान के मूल्यों को सर्वोपरि मानकर कार्य करें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी की जागरूकता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज का युवा अपने प्रतिनिधियों से पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता की अपेक्षा रखता है। ऐसे में युवा विधायकों का कर्तव्य है कि वे इन अपेक्षाओं पर खरा उतरें और समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

अव्यवस्था | **अधिकारी बोले- बच्चों को पढ़ाने की जरुरत नहीं**

अंधेरे में बूढ़ाखेड़ा की हरिजन बस्ती, 3 महीने से बिजली गुल

गुना। विकास के दावों के बीच गुना जिले की आरोन तहसील से एक शर्मनाक मामला सामने आया है। ग्राम बूढ़ाखेड़ा की हरिजन बस्ती पिछले तीन महीनों से पूरी तरह अंधेरे में डूबी हुई है। बिजली न होने से न केवल बच्चों की पढ़ाई ठप है, बल्कि पानी की बूंद-बूंद के लिए ग्रामीण तरस रहे हैं। मंगलवार को आक्रोशित ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई।

ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के अधिकारियों पर अत्यंत गंभीर और संवेदनहीन व्यवहार का आरोप लगाया है। रहवासियों के अनुसार, जब वे शिकायत लेकर बिजली दफ्तर पहुंचे, तो वहां मौजूद अधिकारियों ने समाधान करने के बजाय अभद्र टिप्पणी की। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारियों ने कहा-कहीं से भी पानी भर लो और बच्चों को पढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है, लाइट नहीं आ रही है तो न आने दो। सरकारी तंत्र की इस बेरुखी ने ग्रामीणों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। बस्ती के करीब 20 घरों में पिछले 90 दिनों से बिजली का एक बल्ब तक नहीं जला है। ग्रामीणों ने बताया कि बस्ती में ट्रांसफार्मर न होने के कारण यह स्थायी समस्या बनी हुई है। बिजली के अभाव में जल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले 3 सालों से यहां नल-जल योजना के जरिए पानी की सप्लाई नहीं हुई है, जिसके कारण महिलाएं और बुजुर्ग भीषण गर्मी में हैंडपंप से पानी ढोने को मजबूर हैं। बिजली न होने का सबसे बुरा असर नौनिहालों पर पड़ रहा है। वर्तमान में कई बच्चे बीमारी की चपेट में हैं, जिन्हें उमस और गर्मी के कारण काफी परेशानी हो रही है। वहीं, परीक्षाएं और पढ़ाई का समय होने के बावजूद बच्चे दीये या मोमबत्ती की रोशनी में बैठने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया, तो बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि बिजली कंपनी के लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगवाकर बिजली सप्लाई बहाल की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इन गरीब परिवारों की सुध कब लेता है।

पुलिस कंट्रोल रूम में सुनीं समस्याएं

गुना। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के निर्देशन में मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम सभागृह में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, धोखाधड़ी और साइबर अपराध जैसी अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के शीघ्र व निष्पक्ष निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों में समय सीमा के भीतर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार जना स्माल फाइनेंस बैंक लि. गुना द्वारा, शकीला काजी के हित में ऋण प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र किऐ जा रहे है, उक्त प्रक्रिया में एक दस्तावेज जो विक्रेता श्रीमति रामकली बाई पत्नि श्री विजय रजक द्वारा, विक्रीत की भूमि प.ह.न. 76 नया 65, सर्वे नं 783/2/2मिन, सेक्टर क्र. 1, भूखण्ड क्र. 2, वार्ड न0 35 गुलाबगंज शेष भाग कैंट गुना क्षेत्रफल 750 वर्गफीट का विक्रय किया था, क्रेता जो श्रीमति शहनाज बी पत्नि रियाज खॉन द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता. क्रं. 1347 पुस्तक क्र. अ1/6675 दिनांक 21.11.2013 है, एवं दूसरा दस्तावेज जो विक्रता लल्लीराम पुत्र श्री मूलचंद द्वारा क्रेता श्रीमति रामकली बाई पत्नि श्री विजय रजक द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता0 क्र. 529 पुस्तक क्र. अ1/5537 दिनांक 18.05.2010 है, उक्त दोनो दस्तावेज (रजिस्ट्री) कहीं गुम हो गये हैं।

यदि किसी व्यक्ति को मिले हो तो कृपया मुझे प्रदान करें अथवा मुझसे संपर्क करें। उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करे या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो आज से 14 दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सूचना कर्ता-
शलभ पारीक, एड्वोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना